No. of Printed Pages : 4

MSK-004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

एम. एस. के.-004 : आधनिक संस्कत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : यह प्रश्न-पत्र कल **दो** खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों के अनसार ही उत्तर दीजिए। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

निर्देश: अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. आधनिक काव्य विधा के अन्तर्गत गद्य रचना पर प्रकाश डालते हए कछ प्रमख रचनाओं का वर्णन प्रस्तत कीजिए।

2. आधनिक संस्कत साहित्य की विविध विषयगत रचना-धर्मिता पर प्रकाश डालते हए इसके आयामों का वर्णन कीजिए।

3. अनदित साहित्य की विधा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. अभिराज राजेन्द्र मिश्र का परिचय लिखिए और उनके द्वारा रचित 'जानकीजीवनम' महाकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क)परा विदेहेष ववर्षनाभ्रं
बहनि वर्षाणि किलव्यतीय:।
प्रजास हाहाकतवेदनोत्थं
निकामद:खं प्रमखीबभव॥

(ख)निरन्तरं व्योम्नि वव:प्रवात्या

अदर्शि रात्रावपि धमकेत:।

विधे! न जाने भविता किमस्ती-

त्यनारतं जानपदैर्व्यतर्कि॥

(ग) समाप्य सर्योदयकत्यजातं

ह्यमात्यमात्रापरबन्धवर्ग:।

दिदेश यानाय ससज्जिताय

प्रवातवेगाय महीमहेन्द्र:॥

खण्ड—ख

निर्देश: अधोलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

4×10=40

1. पण्डिता क्षमाराव का जीवनवत्त लिखकर उनके संस्कत भाषा ज्ञान पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित श्लोक का तात्पर्यार्थ लिखिए :

मयाकतं किं दरितं विधातर्व्यतीतजन्मन्यथवेह लोके।

सदर्निवारैर्यदनल्पपाकै: प्रपीडिता हन्त भवन्ति पाल्या:॥

3. 'जानकीजीवनम' महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

4. 'मीरालहरी' के काव्यगत वैशिष्टय का वर्णन कीजिए।

5. 'उपाख्यानमालिका' के प्रथम उपाख्यान का सारांश लिखिए।

6. प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी के व्यक्तित्व एवं कर्तत्व का वर्णन कीजिए।

7. महामहोपाध्याय रेवा प्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं कर्तत्व का वर्णन कीजिए।